मणपिुरी पोनी

[स्रोत: डाउन टू अर्थ]

मणपिुरी पोनी, जसि मैतेई सगोल (Meitei Sagol) के नाम से भी जाना जाता है , को संरक्षति करने की तत्काल आवश्यकता के चलते मणपिुर सरकार ने अन्य समूहों और संगठनों के साथ मलिकर कई नरि्णय लयि हैं जनिका उद्देश्य इसे वलिुप्त होने से रोकना है।

- **मैतेई सगोल भारत में घोड़े और पोनी की सात मान्यता प्राप्त नस्लों में से एक है।**
  - अन्य में मारवाड़ी घोड़ा, काठयिावाड़ी घोड़ा, ज़ांस्करी पोनी (Zanskari Pony), स्पीतपिोनी (Spiti Pony), भूटयिा पोनी (Bhutia Pony) और कच्छी-सधिी घोड़ा शामलि हैं।
- इसे **ओरज़िनिल पोलो पोनी** माना जाता है, क्योंकमिणपिुर के पारंपरकि **सगोल कांगजेई खेल (Sagol Kangjei sport)** ने **आधुनकि पोलो** को जन्म दयिा।
- नस्ल के संरक्षण के लयि वरष 2016 में मणपिुरी पोनी संरक्षण और वकिास नीत**(Manipuri Pony Conservation and Development Policy- MPCDP)** बनाई गई थी।
  - मणपिुरी पोनी की आबादी तेज़ी से घट रही है, वर्ष 2003 के 1,898 से घटकर वर्ष 2019 में यह केवल 1,089 रह गई, जसिके कारण **वर्ष 2013 में मणपिुर सरकार द्वारा इस नस्ल को लुप्तप्राय** घोषति कर दयिा गया।
- मणपिुरी पोनी को अपनी वशिष्टि वशिषताओं, जैसे **आंतरकि बल, दक्षता, बुद्धमित्ता, गत,ि गतशीलता और** कठनि जलवायु परसि्थतियिों के **अनुकूल** होने के लयि जाना जाता है।
  - पोनी मणपिुरी जीवनशैली में गहराई से अंतर्नहिति है, पारंपरकि कार्यक्रमों और खेलों में इसका उपयोग कयिा जाता है, यहाँ तक कअितीत में मणपिुर साम्राज्य की घुड़सवार सेना द्वारा घुड़सवारी के लयि इसका उपयोग कयिा जाता था।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/manipuri-pony